दोपहिया वाहन बिक्री अप्रैल में बढ़ी

बजाज, होंडा और रॉयल इनफिल्ड जैसी कंपनियों की घरेलू और वैश्विक बाजार में बढ़ी मांग

नयी दिल्ली, 03 मई अप्रैल 2026 में देश में दुपहिया वाहन बाजार ने मजबूती दिखाई है, जिससे ऑटोमोबाइल क्षेत्र में उत्साह का माहौल बन गया है. वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से जुड़े हालिया सुधार, कम ब्याज दर और लोगों की व्यय योग्य आय में वृद्धि को प्रमुख कारक माना जा रहा है.

इस माह बड़ी कंपनियों ने बिक्री में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की है. देश की सबसे बड़ी दुपहिया वाहन निर्माता कंपनी बजाज मोटोकॉर्प ने शुक्रवार को बताया कि अप्रैल में उसकी कुल बिक्री 85 प्रतिशत बढ़कर 5,66,086 इकाई पर पहुंच गई. इसमें घरेलू बिक्री 5,32,433 इकाई और निर्यात 33,653 इकाई रही, जो क्रमशः 85 प्रतिशत और 99 प्रतिशत अधिक है. कुल बिक्री में मोटरसाइकिल का योगदान 5,01,791 इकाई और स्कूटर का 64,295 इकाई रहा, जिनमें क्रमशः 75 प्रतिशत और 233 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया की बिक्री भी अप्रैल में 17 प्रतिशत बढ़कर 5.63 लाख इकाई पर पहुंच गई. इस दौरान घरेलू बिक्री 4.84 लाख इकाई और निर्यात 79,600 इकाई रही, जिनमें क्रमशः 14.7 प्रतिशत और 37.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई.

> अप्रैल में बिक्री में यह वृद्धि कई आर्थिक और वित्तीय कारकों का परिणाम है. जीएसटी में सुधार ने पंजीकरण प्रक्रिया और कराधान को आसान बनाया है. इसके अलावा, ब्याज दर में कमी और लोगों की बचत तथा व्यय योग्य आय में वृद्धि ने उपभोक्ताओं की खरीद क्षमता को बढ़ाया है. ऑटो इंडस्ट्री विशेषज्ञ राकेश शर्मा कहते हैं, 'अप्रैल की बिक्री में यह जोरदार उछाल दर्शाता है कि भारतीय बाजार में दुपहिया वाहनों की मांग मजबूत बनी हुई है. यह वृद्धि विशेष रूप से छोटे और मिड-साइज मोटरसाइकिल तथा स्कूटर से प्रेरित रही है.

शेयर बाजारों पर वैश्विक कारकों और पीएमआई आंकड़ों का असर

मुंबई, 03 मई. घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही तेजी के बाद आने वाले सप्ताह निवेशकों का रुख वैश्विक कारकों और पीएमआई के आंकड़ों से तय होगा. वैश्विक कारकों में निवेशकों की नजर पश्चिम एशिया की स्थिति और कच्चे तेल की कीमत पर होगी. घरेलू स्तर पर विनिर्माण क्षेत्र के पीएमआई आंकड़े 04 मई को और सेवा क्षेत्र के 06 मई को जारी होने हैं. बीते सप्ताह सोमवार और बुधवार को प्रमुख सूचकांकों में तेजी रही जबकि मंगलवार और गुरुवार को गिरावट देखी गयी. शुक्रवार को महाराष्ट्र दिवस पर बाजार बंद रहा. सप्ताह के दौरान बीएसई का सेंसेक्स 249.29 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की बढ़त में 76,913.50 अंक पर बंद हुआ.

एफपीआई ने अप्रैल में 70,449 करोड़ निकाले

एफपीआई की भारतीय पूंजी बाजार से दूरी लगातार बढ़ती नजर आ रही

विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार को लेकर फिलहाल सतर्क

मुंबई 03 मई अप्रैल. विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) की भारतीय पूंजी बाजार से दूरी लगातार बढ़ती नजर आ रही है. अप्रैल महीने में एफपीआई ने कुल 70,449 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की, जो बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है. यह लगातार दूसरा महीना है जब विदेशी निवेशकों ने बिकवाली का रुख अपनाया है.

इससे पहले मार्च में उन्होंने रिकॉर्ड 1,26,991 करोड़ रुपये बाजार से निकाले थे, जिससे निवेशकों की चिंताएं और गहरी हो गईं.

केंद्रीय डिपॉजिटरी सेवा के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में एफपीआई ने इक्विटी और डेट दोनों से बड़ी मात्रा में पैसा निकाला. विशेष रूप से इक्विटी बाजार में उन्होंने 58,378 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की, जो यह दर्शाता है कि विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार को लेकर फिलहाल सतर्क रुख अपनाए हुए हैं. वहीं डेट से भी 13,081 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई, जो बॉन्ड बाजार में भी कमजोरी का संकेत देती है. हालांकि, इस दौरान एफपीआई ने पूरी तरह से निवेश से दूरी नहीं बनाई है. उन्होंने हाइब्रिड उपकरणों में 592 करोड़ रुपये का निवेश किया, जबकि म्यूचुअल फंड में 417 करोड़ रुपये डाले.

> वर्तमान कैलेंडर वर्ष की बात करें तो फरवरी को छोड़कर बाकी महीनों में एफपीआई लगातार बिकवाली कर रहे हैं. अब तक 2026 में उन्होंने कुल मिलाकर 1,88,664 करोड़ रुपये भारतीय पूंजी बाजार से निकाल लिए हैं. यह आंकड़ा बताता है कि वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों, ब्याज दरों में बदलाव और अन्य अंतरराष्ट्रीय कारकों का असर भारतीय बाजार पर भी साफ दिखाई दे रहा है. अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतियां, डॉलर की मजबूती और वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता जैसे कारक एफपीआई के फैसलों को प्रभावित कर रहे हैं. इसके अलावा, घरेलू स्तर पर भी महंगाई, ब्याज दरों और आर्थिक विकास की गति जैसे मुद्दे निवेशकों की रणनीति को तय कर रहे हैं.

सोने की कीमतों में स्थिरता

चांदी अब भी ऊंचाई से करीब 2 लाख रुपए सस्ती

नई दिल्ली, 3 मई. देश में सोने की कीमतों में हल्की नरमी के साथ स्थिरता देखने को मिल रही है, जबकि चांदी अपने रिकॉर्ड हाई से अब भी करीब 2 लाख रुपये प्रति किलो सस्ती बनी हुई है.

निवेशकों के लिए यह समय सतर्कता के साथ अवसर भी लेकर आया है. ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 24 कैरेट सोने की कीमत लगभग 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास बनी हुई है, जबकि 22 कैरेट सोना करीब 67,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है. वहीं 20 कैरेट सोने की कीमत लगभग 61,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास देखी जा रही है. बीते सप्ताह के मुकाबले सोने में ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं हुआ है, जिससे बाजार में स्थिरता का माहौल बना हुआ है.

दूसरी ओर, चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है. चांदी फिलहाल करीब 80,000 से 85,000 रुपये प्रति किलो के बीच चल रही है, जो इसके हालिया उच्च स्तर से लगभग 2 लाख रुपये तक कम है. यह गिरावट वैश्विक बाजारों में मांग कमजोर होने और डॉलर की मजबूती के कारण देखी जा रही है.

विशेषज्ञों का मानना है कि सोना अभी भी सुरक्षित निवेश विकल्प बना हुआ है, खासकर वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच.

डॉलर इंडस्ट्रीज के संस्थापक दीनदयाल का निधन

कोलकाता, 3 मई प्रसिद्ध उद्योगपति और डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के संस्थापक एवं चेयरमैन एमेरिटस श्री दीनदयाल गुप्ता का कोलकाता में आयु संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया. उनके निधन के साथ ही कंपनी और भारतीय होजरी एवं परिधान उद्योग के एक युग का अंत हो गया है.

> एक दूरदर्शी नेता और कंपनी की उल्लेखनीय यात्रा के मार्गदर्शक रहे श्री गुप्ता ने पांच दशकों से अधिक समय तक अटूट प्रतिबद्धता, दूरदृष्टि और ईमानदारी के साथ डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड का नेतृत्व किया. उनके नेतृत्व में कंपनी ने साधारण शुरुआत से आगे बढ़ते हुए होजरी और परिधान क्षेत्र में भारत की अग्रणी कंपनियों में अपनी पहचान बनाई. उनके नेतृत्व में डॉलर इंडस्ट्रीज 1700 करोड़ रुपये से अधिक का समूह बन गई.

13 सितंबर 1937 को हरियाणा के भिवानी जिले के मानेहरू गांव में एक साधारण और बड़े परिवार में जन्मे श्री गुप्ता का जीवन संघर्ष, धैर्य और बड़े सपने देखने की शक्ति का प्रतीक रहा. वर्ष 1962 में कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) आने के बाद उन्होंने ग्राहकों की जरूरत और बजट के अनुरूप होजरी उत्पादों का निर्माण और बिक्री शुरू की. इसके साथ ही उन्होंने उत्पादन और फिनिशिंग सुविधाओं का विकास, बिक्री केंद्रों और रिटेल नेटवर्क का विस्तार तथा उपेक्षित बाजारों में सीधी पहुंच बनाकर व्यवसाय को मजबूत किया.

युवा अवस्था में कुछ बड़ा करने के संकल्प के साथ उन्होंने 1972 में डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड की नींव रखी. उनकी उद्यमशीलता और निरंतर प्रयासों ने कंपनी को एक विश्वसनीय ब्रांड बना दिया, जो गुणवत्ता, नवाचार और मजबूत बाजार उपस्थिति के लिए जाना जाता है. डॉलर उन शुरुआती कंपनियों में शामिल रहा, जिसने मध्य प्रदेश (अब मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़), उत्तर-पूर्व के सातों राज्यों और दार्जिलिंग जैसे पहाड़ी क्षेत्रों तक अपनी पहुंच बनाई.

व्यापारिक उपलब्धियों के अलावा श्री गुप्ता सामाजिक और सामुदायिक सेवा में भी सक्रिय रहे. वह आर्य प्रतिनिधि सभा से जुड़े रहे और बंगाल प्रतिनिधि सभा की विभिन्न शाखाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

खाद्यान्नों के औसत थोक भाव

नई दिल्ली, 3 मई. खाद्यान्नों के औसत थोक भाव शनिवार को इस प्रकार रहे-

दाल-दलहनः दाल चना 7661.85 रुपये, मसूर काली 8079.55 रुपये, मूंग दाल 10189.46 रुपये, उड़द दाल 10847.02 रुपये, तुअर दाल 11246.69 रुपये प्रति क्विंटल रही.

अनाज: (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2781.11 रुपये और चावल 3836.42 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3273.35 रुपये प्रति क्विंटल रहा. चीनी-गुड़ : चीनी एस 4309.18 रुपये और गुड़ 5031.29 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये.

खाद्य तेल : सरसों तेल 17851.53 रुपये, मूंगफली तेल 18953.99 रुपये, सूरजमुखी तेल 17485.53 रुपये, सोया तेल 14981.32 रुपये, पाम ऑयल 13498.45 रुपये.

यूपीआई पर क्रेडिट पेमेंट का बढ़ता चलन

नई दिल्ली, 3 मई भारत का डिजिटल भुगतान इकोसिस्टम तेजी से विकसित हो रहा है और अब 'क्रेडिट ऑन यूपीआई' फीचर ने इसमें एक नया आयाम जोड़ दिया है.

इस सुविधा के तहत यूजर्स अब क्यूआर कोड स्कैन करके सीधे अपने बैंक खाते से नहीं, बल्कि क्रेडिट कार्ड के जरिए भुगतान कर सकते हैं. यानी 'अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें' का मॉडल अब यूपीआई प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध हो गया है.

यह फीचर खासतौर पर उन यूजर्स के लिए आकर्षक है जो अपनी नकदी प्रवाह को बेहतर तरीके से मैनेज करना चाहते हैं. इसके जरिए उन्हें अल्पकालिक क्रेडिट मिलता है और कई बैंक आकर्षक कैशबैक व रिवार्ड पॉइंट्स भी दे रहे हैं. हालांकि, इसके साथ कुछ जोखिम भी जुड़े हैं.

सरकार देगी 37,500 करोड़ का बड़ा बूस्ट

नई दिल्ली, 3 मई. देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और आयात पर निर्भरता घटाने के लिए केंद्र सरकार एक बड़ी योजना लाने की तैयारी में है. सरकार जल्द ही 37,500 करोड़ रुपये की नई प्रोत्साहन (इंसेंटिव) योजना को मंजूरी दे सकती है, जिसका मुख्य उद्देश्य देश में कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देना है. यह कदम भारत को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है.

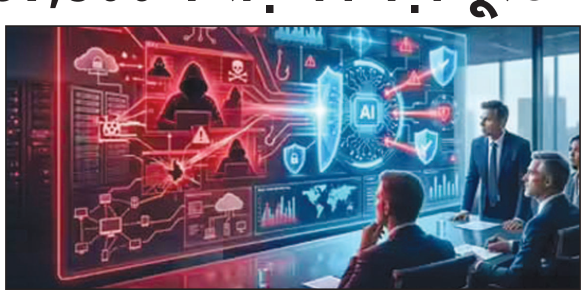

कोयला गैसीकरण एक ऐसी तकनीक है, जिसमें कोयले को प्रोसेस करके सिंगैस (स्इंथ्थड्ढ) में बदला जाता है. इस गैस का इस्तेमाल बिजली उत्पादन, ईंधन, उर्वरक और रसायन बनाने में किया जाता है. पारंपरिक कोयला उपयोग की तुलना में यह प्रक्रिया अधिक स्वच्छ और कुशल मानी जाती है. भारत के पास लगभग 401 अरब टन कोयले का विशाल भंडार मौजूद है, जिससे इस तकनीक के जरिए घरेलू संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव हो सकेगा. नई योजना के तहत कुल बजट 37,500 करोड़ रुपये तय किया गया है. इसमें प्रत्येक प्रोजेक्ट को अधिकतम 3,000 करोड़ रुपये तक की सहायता दी जा सकती है.

आरबीआई के नए डिप्टी गवर्नर बने रोहित जैन

नई दिल्ली, 3 मई 2026 भारतीय रिजर्व बैंक (भारतीय रिजर्व बैंक) में बड़ा प्रशासनिक बदलाव हुआ है. अपॉइंटमेंट कमेटी ऑफ द कैबिनेट (एसीसी) ने रोहित जैन को आरबीआई का नया डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है. उनकी नियुक्ति तीन साल के कार्यकाल के लिए की गई है, जो 3 मई 2026 या उसके बाद से प्रभावी होगी.

रोहित जैन मौजूदा डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल पूरा हो रहा है. रोहित जैन अभी तक आरबीआई में कार्यकारी निदेशक के पद पर कार्यरत थे और दिसंबर 2020 से सुपरविजन विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे थे. इस विभाग में जोखिम प्रबंधन, एनालिटिक्स और बैंकिंग प्रणाली की कमजोरियों का आकलन शामिल होता है.

केंद्र सरकार ने पिछले महीने इस पद के लिए चार वरिष्ठ अधिकारियों का इंटरव्यू लिया था, जिसके बाद रोहित जैन के नाम को अंतिम मंजूरी दी गई.

मेटल स्टॉक्स में तेजी, निवेश का मौका

नई दिल्ली, 3 मई 2026 भारतीय शेयर बाजार में मेटल सेक्टर एक बार फिर निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है. वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद इस सेक्टर ने मजबूत प्रदर्शन किया है, जिससे निवेश के नए अवसर बनते दिख रहे हैं.

ब्रोकरेज हाउस इस समय मेटल सेक्टर के कई बड़े शेयरों पर सकारात्मक रुख बनाए हुए हैं और निवेशकों को इन्हें अपने रडार पर रखने की सलाह दे रहे हैं.

इस सेक्टर में सबसे प्रमुख नाम टाटा स्टील लिमिटेड का है,

जिसे मजबूत घरेलू उत्पादन क्षमता और वैश्विक उपस्थिति के कारण निवेशकों की पहली पसंद माना जा रहा है. ब्रोकरेज रिपोर्ट्स में इसे 'स्ट्रॉन्ग बाय' की रेटिंग दी जा रही है.

इसके साथ ही हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड भी निवेशकों के फोकस में बनी हुई है. एल्युमिनियम की बढ़ती मांग और इसकी सहायक कंपनी नोवेलिस का बेहतर प्रदर्शन इसे लंबे समय के निवेश के लिए आकर्षक बना रहा है.

> जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड और जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड भी मेटल सेक्टर में मजबूत प्रदर्शन कर रहे हैं. वहीं खनन क्षेत्र की कंपनी एनएमडीसी लिमिटेड को भी आकर्षक डिविडेंड और आयरन ओर की मजबूत कीमतों के कारण खरीदने की सलाह दी जा रही है.

समाचार विशेष

राजनीति के 4 चेहरे बने हुए हैं सुर्खियों में

सचिन पायलट के अलावा 3 और कौन हैं, क्या है वजह?

जयपुर. राजनीति भी बड़ी अजीब चीज है. इसमें मौके और शब्दों की बड़ी अहमियत है. कौन किस मौके पर क्या कह रहा है? क्यों कह रहा है? किन शब्दों का इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है? किस के बहाने किसको शिकार बनाया जा रहा है? किस को उलझाया जा रहा है और किसको बचाया जा रहा है? इन सबके अलग-अलग अर्थ निकाले जाते हैं.

सियासी गलियारों में अलग और सोशल मीडिया में अलग. राजनीति में क्रिया की प्रतिक्रिया लगभग आवश्यक सी है. दिग्गज नेता के एक बयान से सियासी गलियारों में तूफान भी आ जाता है वहीं एक बयान से खामोशी भी छा जाती है. फर्क यह है बोलने वाला कौन है और किसके बारे में बोला जा रहा है. यह पूरी तरह से इंटेलीजेंसी का गेम है.

राजस्थान की राजनीति में इन दिनों जो किरदार सबसे ज्यादा छाया हुआ है वह है कांग्रेस के दिग्गज नेता और सूबे के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट. इसके पीछे कई गहरे राज छिपे हैं. पायलट को निशाना भी बनाया जा रहा है और उनकी तारीफ कर उन्हें बचाया भी जा रहा है.

बयानों की इस धमाचौकड़ी में पायलट मौन साधे हुए हैं. वे बस बयानों को सुन रहे लेकिन कुछ भी रिएक्ट नहीं कर रहे हैं. उनकी चुप्पी के बावजूद पूरी बयानबाजी उनके नाम पर हो रही है. यह बयानबाजी सियासी गलियारों में चर्चा का विषय होने के साथ ही सोशल मीडिया पर चकल्लस बनी हुई है. सोशल मीडिया के तमाम प्लेटफार्म पायलट को लेकर हो रही बयानबाजी और प्रतिक्रियाओं से भरे हैं. पायलट को लेकर यह बयानबाजी बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नवीन के दौरे से जबर्दस्त तेज हो गई.

> **बीजेपी अध्यक्ष के दौरे से शुरू हुआ बयानबाजी का दौर**
>
> नीतिन नवीन बीजेपी अध्यक्ष का पदभार संभालने के बाद हाल ही में राजस्थान आए थे. उनका पहला कार्यक्रम राजस्थान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सचिन पायलट के निर्वाचन क्षेत्र टोंक में हुआ था. बस यहीं से हमेशा सुर्खियों में रहने वाले पायलट फिर से जबर्दस्त चर्चा में आ गए. चर्चा में आने का कारण था राजस्थान बीजेपी के प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल का बयान. उनके बयान के बाद पूर्व सीएम अशोक गहलोत का बयान आया. फिर मदन राठौड़ भी बयानबाजी के इस दौर में शामिल हो गए.

प्रथम पृष्ठ का शेष

कॉरिडोर से मिलेंगे 6 लाख रोजगार

मुख्यमंत्री ने बताया कि परियोजना की मॉनिटरिंग आधुनिक स्काडा सिस्टम से की जाएगी, जिससे पूरे कॉरिडोर की गतिविधियों पर रियल टाइम नजर रखी जा सकेगी और संचालन अधिक प्रभावी होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कॉरिडोर से लगभग 6 लाख रोजगार के अवसर सृजित होंगे.साथ ही यह इन्दौर शहर को बायपास करते हुए ए.बी. रोड से आने वाले ट्रैफिक को सीधे उज्जैन तक पहुंचने में मदद करेगा, जिससे सिंहस्थ 2028 के दौरान यातायात सुगम रहेगा। उन्होंने कहा कि परियोजना में किसानों के हितों का विशेष ध्यान रखा गया है और भूमि प्रतिफल को 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत किया गया है, जिससे किसानों का भरोसा बढ़ा है.अब तक लगभग 375 किसानों ने 422 हेक्टेयर भूमि इस परियोजना के लिए दी है.उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी किसान को उसकी ही भूमि पर प्लॉट मिलता है, तो उसे तत्काल आवंटित किया जा रहा है।

कांग्रेस पर साधा निशाना: मुख्यमंत्री ने सवाल उठाते हुए कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस शासनकाल में किसानों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता था. उन्होंने कहा कि उस समय बिजली की स्थिति खराब थी और किसानों को रात में भी आपूर्ति का भरोसा नहीं रहता था, जबकि अब किसानों को दिन में बिजली मिल रही है.उन्होंने बताया कि पहले किसानों को डीजल के लिए लंबी लाइनों में लगना पड़ता था और सिंचाई का दायरा भी सीमित था.उन्होंने कहा कि 1956 में मध्यप्रदेश के गठन से लेकर वर्ष 2002-03 तक केवल लगभग साढ़े सात लाख हेक्टेयर क्षेत्र में ही सिंचाई होती थी, जबकि वर्तमान सरकार ने मात्र ढाई वर्षों में इसे बढ़ाकर 10 लाख हेक्टेयर से अधिक कर दिया है.

कविता की पार्टी के पीछे कौन है?

हैदराबाद. तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव यानी केसीआर की बेटी के कविता गैर राजनीतिक संगठन चला रही थीं. उन्होंने तेलंगाना जागृति संगठन बनाया था. लेकिन अब एक राजनीतिक दल का गठन कर लिया है, जिसका नाम तेलंगाना राष्ट्र सेना यानी टीआरएस रखा है.

पहले चंद्रशेखर राव की पार्टी का नाम भी टीआरएस यानी तेलंगाना राष्ट्र समिति था, जिसे पिछले चुनाव में उन्होंने बदल कर भारत राष्ट्र समिति यानी बीआरएस कर दिया था. उसके बाद ही वे चुनाव हारे. अब उनकी पार्टी के पुराने नेता को अलग तरह से कविता ने पुनर्जीवित किया है. गौरतलब है कि कुछ समय पहले ही उन्होंने दिल्ली के शराब नीति से जुड़े कथित घोटाले में क्लीन चिट मिली है.

अब सवाल है कि कविता ने खुद अपनी स्वतंत्र राजनीति के लिए पार्टी बनाई है या उनके पीछे कोई दूसरी ताकत है? या उन्होंने पार्टी बनाई है और अपनी ताकत दिखाने के बाद किसी दूसरी बड़ी पार्टी से तालमेल कर लेंगी या उसमें अपनी पार्टी का विलय कर देंगी? यह सवाल इसलिए है क्योंकि एकीकृत आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे वाईएसआर रेड्डी की बेटी वाईएस शर्मिला ने भी तेलंगाना में पार्टी बनाई थी और खूब राजनीति की. उन्होंने ताकत दिखाने के बाद अपनी पार्टी का विलय कांग्रेस में कर दिया.

कांग्रेस ने उनको आंध्र प्रदेश का अध्यक्ष बनाया है. संभव है कि कविता भी अपनी ताकत बढ़ाने के बाद ऐसा ही कुछ करें. उनके सामने भाजपा और कांग्रेस का विकल्प होगा. अपने पिता की पार्टी से उनकी दूरी बढ़ गई है. पहले वे पिता की बजाय भाई केटी रामाराव को दोष देती थीं लेकिन अपनी पार्टी बनाने के बाद उन्होंने के चंद्रशेखर राव पर भी हमला किया है.

विशेष झारखंड में बढ़ी राजनीतिक हलचल

नथवाणी कर सकते हैं रास चुनाव में दावेदारी

रांची. झारखंड में आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है. सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक संभावित उम्मीदवारों के नामों पर मंथन शुरू हो चुका है. इसी बीच एक बार फिर उद्योगपति और पूर्व राज्यसभा सदस्य परिमल नथवाणी का नाम राजनीतिक गलियारों में चर्चा का केंद्र बन गया है.

हालांकि अभी तक न तो सत्तारूढ़ गठबंधन की ओर से और न ही भाजपा की तरफ से किसी उम्मीदवार की आधिकारिक घोषणा की गई है, लेकिन यह चर्चा जोरों पर है कि नथवाणी एक बार फिर राज्यसभा की राजनीति में अपनी किस्मत आजमा सकते हैं. परिमल नथवाणी पहले भी झारखंड से राज्यसभा सदस्य रह चुके हैं और अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने राज्य के कई विकासात्मक मुद्दों पर सक्रियता दिखाई थी. यही कारण है कि उनका नाम सामने आते ही राजनीतिक समीकरणों की नई चर्चा शुरू हो गई है. नथवाणी की पहचान केवल उद्योग जगत तक सीमित नहीं रही है, बल्कि वे झारखंड के लगभग सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बेहतर संबंध रखने वाले व्यक्ति माने जाते हैं. यही संपर्क उन्हें एक संभावित स्वीकार्य उम्मीदवार के रूप में भी स्थापित करता है. राज्य में राज्यसभा की दो सीटें रिक्त हैं. शिबू सोरेन के निधन से एक सीट रिक्त हुई है, जबकि भाजपा के राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश का कार्यकाल पूरा होने वाला है.

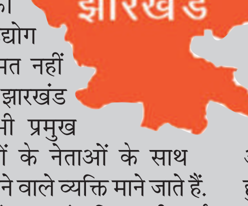

झामुमो-कांग्रेस के बीच सीट को लेकर रणनीति- राज्यसभा चुनाव को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर भी मंथन तेज है. झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे और उम्मीदवार चयन को लेकर अंदरूनी स्तर पर कवायद चल रही है. झामुमो अपने राजनीतिक हितों को ध्यान में रखते हुए ऐसा चेहरा सामने लाना चाहता है जो गठबंधन में संतुलन बनाए रख सके, वहीं कांग्रेस भी इस बार अपनी मजबूत दावेदारी पेश करने के मूड में दिखाई दे रही है.

> **भाजपा में भी अंदरूनी हलचल**
>
> उधर भाजपा के भीतर भी राज्यसभा चुनाव को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है. पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के राज्यसभा में दोबारा जाने की इच्छा जताने और इसके लिए झामुमो के कुछ नेताओं के संपर्क में होने की चर्चा ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया है. बताया जाता है कि परिमल नाथवाणी किसी दल विशेष की बजाय स्वतंत्र चुनाव लड़ना पसंद करेंगे. आने वाले दिनों में यह साफ होगा कि नथवाणी केवल चर्चा तक सीमित रहते हैं या फिर वास्तव में राज्यसभा की दौड़ में मजबूत दावेदार बनकर उभरते हैं.